ISSN : 2583-2948

मेरी वसीयत

डॉ दीपा गुप्ता

अभिनेत्री, वकील एवम स्वतंत्र लेखिका

विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश

मो॰ – 9177085288

मेरी सभी जमा पूँजी लोगों में बाँट देना।

कमरे के ऊपरी दराज में रखी है

उमंग तरंग चंचलता अल्हड़ता

बाँट देना उन बच्चों में जो

दिनभर मोबाइल में गेम खेला करते हैं।

बीच वाली दराज में रखे हैं चंद सपने

व उन्हें पूरा करने का जुनून

बाँट देना उन महिलाओं को जो

अपने घर परिवार बच्चों की जिम्मपदारी तले

अपने सपनों को भूल गई हैं।

सिरहाने वाले बक्से में रखी हैं जिम्मेदारियाँ

उन्हें बाँटना उन बेटा–बेटियों में जो

अपने बुजुर्ग माँ–बाप को वृद्धाश्रम में छोड़ आए हैं।

मेरी डायरी रखी होगी तकिए के नीचे

जिसमें भरे पड़े हैं एहसासों के अल्फ़ाज

ये उन्हें देना जो महसूस तो करते हैं

पर बोलने में हिचकिचाते हैं।

ISSN : 2583-2948

ऊपर की पेटी में रखा है थोड़ा बचपना

दे देना उन वृद्धों को जो

दीन–दुनिया घर–परिवार की

अनावश्यक चिंता में लगे रहते हैं।

मेरी तिजोरी में ही पड़े होंगे

गुरूर क्रोध लालच स्वार्थ

उसे मेरे साथ ही जला देना

कल जब मैं ना रहूँ

मेरी जमा पूँजी लोगों में बाँट देना।